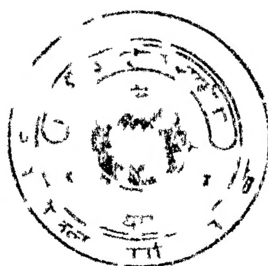
अष्टछाप और वल्लभ-सम्प्रदाय

भाग १

डा० दीनदयालु गुप्त



शक १८९४

हिन्दी साहित्य सम्मेलन • प्रयाग